अभंग १३१

(राग: झिंजोटी - ताल: त्रिताल)

राम राम राम राम राम राम वद वद जिव्हे राम राम। सिताराम सिताराम सिताराम सिताराम। श्रीराम जय राम जय जय राम।।ध्रु.।। कोदंडधारी राम अघसंहारी राम दीननसहकारी राम विघ्निनवारी राम।।१।। शरयुतीरवासी राम हृदयनिवासी राम। रविकुळवंशी राम भवभयनाशी राम।।२।। दशकंठहर्ता राम लक्ष्मणभ्राता राम। लवांकुशपिता राम माणिकाचा दाता राम।।३।।